उत्तर पश्चिम रेलवे - एक परिचय

उत्तर पश्चिम रेलवे वर्ष 1996 में घोषित सात नए जोनों में से एक है और इसे औपचारिक रूप से 1996 से कार्यात्मक बना दिया गया। 1 अक्टूबर, 2002 को इसका मुख्यालय जयपुर में था। यह ज़ोन उत्तर रेलवे के 02 मंडलों बीकानेर और जोधपुर और पूर्ववर्ती पश्चिम रेलवे के 02 मंडलों जयपुर और अजमेर को शामिल करके विधिवत बनाया गया है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से राजस्थान राज्य और हरियाणा, पंजाब और गुजरात राज्यों के छोटे हिस्से में भी कार्य करता है। भारतीय रेलवे द्वारा प्रमुख गेज परिवर्तन का कार्य 1980 के दशक में शुरू किया गया था। रूपांतरण के बाद कुल आरकेएम और टीकेएम इस प्रकार होंगे

गेज	आरकेएम	टीकेएम
बीजी	5678.681	8322.682

राजस्थान राज्य के 4 प्रमुख शहरों अर्थात् अजमेर, बीकानेर, जयपुर और जोधपुर में उनके मुख्यालय के साथ 4 डिवीजन हैं। अजमेर, जोधपुर और बीकानेर में 3 प्रमुख कार्यशालाएँ स्थित हैं। आबू रोड और भगत की कोठी में 2 डीजल लोको शेड और अजमेर में 01 लोको वर्कशॉप स्थित हैं।

यद्यपि ज़ोन पर मुख्य यातायात यात्री सेवाओं का है, हाल के दिनों में रेलवे प्रशासन द्वारा शुरू किए गए प्रोत्साहनों और पहलों के कारण बड़ी मात्रा में माल ढुलाई सेवाएं भी संचालित की जाती हैं। देश के सभी हिस्सों यानी पूर्वी, दक्षिणी, मध्य और उत्तरी आदि में सभी प्रमुख शहरों को सेवा देने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें यहाँ से संचालित होती है। यह क्षेत्र रक्षा मंत्रालय की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है क्योंकि राजस्थान राज्य में हमारे जोन की सीमा का हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान की सीमा के साथ पूरी लंबाई के साथ फैली हुई है। । खोखरापार (पाकिस्तान में) और मुनाबाओ (भारत में) के बीच एक रेल लिंक, जो एक ऐतिहासिक भारत-पाक शांति प्रयास है, इस रेलवे द्वारा भी संचालित किया जाता है।

इस रेलवे का विद्युत विभाग मुख्य रूप से बिजली आपूर्ति से संबंधित विद्युत संपत्तियों के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है और रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2016/08एम/8/1 दिनांक 03.08.2016 के अनुसार डीजल रखरखाव भी इसमें शामिल है। स्टेशनों और उनके सर्कुलेटिंग क्षेत्रों और यार्डों, कर्मचारी कॉलोनियों, कार्यालय भवनों, रखरखाव डिपो, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य सेवा भवनों आदि में 299 वितरण ट्रांसफार्मर के माध्यम से बिजली आपूर्ति व्यवस्था के अलावा, विभाग जल आपूर्ति पंपों (984 संख्या), आपातकालीन बिजली आपूर्ति के लिए डीजल उत्पादन सेट (146 संख्या), एयर कंडीशनिंग/कूलिंग सिस्टम, ट्रैक के साथ विद्युत पावर लाइन क्रॉसिंग के रखरखाव को सुनिश्चित करने के संचालन और रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार है। विभाग आपूर्ति की विश्वसनीयता, ऊर्जा बिलों के भुगतान, टैरिफ निर्धारण आदि के संबंध में विभिन्न विद्युत आपूर्ति प्राधिकरणों (डिस्कॉम) और राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के साथ निकट संपर्क बनाए रखता है।

(प्रमुख मुख्य बिजली इंजिनियर) पीसीईई के तहत डीजल ट्रैक्शन को शामिल करने के साथ, विद्युत विभाग अब 02 डीजल शेड (आबू रोड और भगत की कोठी), 01 लोको वर्कशॉप अजमेर, 01 डीजल लोको सर्विस सेंटर (डीएलएससी), 18 रनिंग रूम और 18 क्रू लॉबी को भी कवर करता है। प्रमुख स्टेशनों पर 23 यात्री लिफ्टें और 43 एस्केलेटर हैं। बेहतर यात्री सुविधा के लिए प्रमुख स्टेशनों पर एस्केलेटर लगाए गए हैं और इनका रखरखाव विद्युत विभाग द्वारा किया जा रहा है।

वर्ष 2022-23 में ऊर्जा खपत 99.140 एमयू है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किये गये सराहनीय कार्य के पुरस्कार स्वरूप; उत्तर पश्चिम रेलवे ने पिछले वर्षों के दौरान विद्युत मंत्रालय (एमओपी), भारत सरकार से 14 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार और राजस्थान की विभिन्न श्रेणियों में 57 राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं।